बीएसए गाइडेंस (मार्गदर्शन): जेंडर आयडेंटिटी (लैंगिक पहचान) के मुद्दों से संबंधित शिकायतें

जून 2023

लैंगिक पहचान के मुद्दे समाज के लिए विशेष महत्व रखते हैं और मीडिया रिपोर्टिंग में ज्यादा प्रमुखता रखते हैं। लैंगिक पहचान के प्रति समाज की प्रतिक्रिया ने इन मुद्दों पर प्राधिकरण (और अन्य नियामकों) के पास विभिन्न विवादों के दोनों पक्षों से शिकायतों की अधिकता के साथ ध्रुवीकरण वाली राय और विवाद को जन्म दिया है।

एक प्राधिकरण के रूप में जिसे सामुदायिक मानकों को प्रतिबिंबित करने का काम सौंपा गया है, हम स्वीकार करते हैं कि विचारों का स्वतंत्र और स्पष्ट आदान-प्रदान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का एक महत्वपूर्ण पहलू है, और हमारे लोकतांत्रिक समाज के संचालन के लिए आधारभूत है। हालाँकि, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार असीमित नहीं है: व्यक्तिगत स्वतंत्रता आवश्यक रूप से समाज की सदस्यता और दूसरों के अधिकारों और समुदाय के हितों द्वारा सीमित होती है।[1] हाई कोर्ट (उच्च न्यायालय) ने हाल ही में सुझाव दिया है कि अधिकार को उचित रूप से सीमित किया जाएगा जहाँ उसे 'इस मामले में लैंगिक अल्पसंख्यकों जैसे कमजोर समुदायों को भेदभाव से मुक्त होने का अधिकार देने' की आवश्यकता है।[2]

हम इसी संदर्भ में यह गाइडेंस (मार्गदर्शन) जारी कर रहे हैं। इसमें लैंगिक पहचान के मुद्दों पर प्राधिकरण द्वारा मान्यता प्राप्त और निर्धारित कुछ प्रमुख मामलों पर उनके निर्णयों पर प्रकाश डाला गया है। भविष्य की शिकायतों का मूल्यांकन प्रासंगिक प्रसारण के विशेष संदर्भ में उनकी योग्यता के आधार पर किया जाएगा।

"जेंडर आयडेंटिटी (लैंगिक पहचान)" के मुद्दे नए नहीं हैं

लैंगिक पहचान से तात्पर्य किसी व्यक्ति की अपने लिंग के प्रति आंतरिक समझ से है।[3] जैसा कि बीएसए ने नोट किया है: "किसी व्यक्ति की स्वयं की अवधारणा पुरुष, महिला, दोनों का मिश्रण या इनमें से कुछ भी नहीं हो सकती है। लैंगिक पहचान जन्म के समय निर्दिष्ट लिंग के समान या उससे भिन्न हो सकती है।"[4]

"लैंगिक पहचान" के मुद्दे कोई आधुनिक घटना नहीं हैं: पूरे प्रशांत क्षेत्र में कुछ संस्कृतियां लिंग विविधता को उन तरीकों से स्वीकार करती हैं जो कि पश्चिमी संस्कृतियों ने पारंपरिक रूप से स्वीकार नहीं किए हैं। आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड के संदर्भ में, ऐसी एक सांस्कृतिक पहचान ताकातापुई (विभिन्न लिंग, कामुकता और यौन विशेषताओं वाले सभी Māori (माओरी) लोगों को शामिल करने के लिए किया गया शब्द) है।[5]

इसके अलावा, न्यूज़ीलैंड कानून मानता है कि सैक्स (लिंग) अपरिवर्तनीय या अचल नहीं है। हमारी कानूनी प्रणाली ने फैमिली कोर्ट (परिवार न्यायालय) की घोषणा के माध्यम से जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण अधिनियम 1995

---

[1] एंड्रयू बटलर और पेट्रा बटलर, द *न्यूज़ीलैंड बिल ऑफ राइट्स एक्ट (न्यूज़ीलैंड अधिकार विधेयक): एक टिप्पणी* (दूसरा संस्करण, लेक्सिसनेक्सिस, वैलिंगटन, 2015) [6.5.1]

[2] *ऑकलैंड प्राइड बनाम इमीग्रेशन (आप्रवासन) मंत्री* [2023] एनज़ैडएचसी 758 [71]

[3] Laurel Wamsley (लॉरेल वाम्सले) "ए गाइड टू जेंडर आइडेंटिटी टर्म्स (लिंग पहचान शर्तों के लिए एक मार्गदर्शिका)" *एनपीआर* (ऑनलाइन संस्करण, 2 जून 2021)

[4] *ऑक्सली एंड रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड,* निर्णय संख्या 2022-105 में [17] Jeannie Oliphant (जीनी ओलिफंट), Jaimie Veale (जैमी वील), Joe Macdonald (जो मैकडोनाल्ड), Richard Carroll (रिचर्ड कैरोल), Rachel Johnson (रेचल जॉनसन), Mo Harte (मो हार्टे), Cathy Stephenson (कैथी स्टीफेंसन), Jemima Bullock (जमाइमा बुलॉक) का हवाला देते हुए "आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड में भिन्न प्रकार के लिंग और ट्रांसजेंडर बच्चों, युवा लोगों और वयस्कों के लिए लिंग पुष्टि स्वास्थ्य देखभाल के लिए दिशानिर्देश" (2018) ट्रांसजेंडर हैल्थ रिसर्च लैब, वायकाटो विश्वविद्यालय

[5] *एडम एंड क्रॉफर्ड और रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड,* निर्णय संख्या 2022-067 [27]

BROADCASTING STANDARDS AUTHORITY
TE MANA WHANONGA KAIPĀHO

की शुरुआत के बाद से, और 15 जून 2023 तक[6], रजिस्ट्रार-जनरल को एक आवेदन के माध्यम से जन्म प्रमाण पत्र पर नामांकित लिंग में बदलाव की अनुमति प्रदान की है।[7]

ट्रांसजेंडर लोगों को भेदभाव और अपमान मानक के तहत संरक्षित किया जाता है।

प्राधिकरण ने पाया है कि ट्रांसजेंडर लोग "समुदाय का एक वर्ग" हैं जो भेदभाव और अपमान मानक द्वारा संरक्षित हैं।[8] इस निष्कर्ष तक पहुंचने में, इसने क्राउन लॉ की राय (मानवाधिकार अधिनियम में एक समान प्रावधान की व्याख्या) का संदर्भ दिया।[9] यह दृष्टिकोण, और प्रासंगिक क्राउन लॉ राय, अन्य प्रासंगिक समूहों के लिए मानक के अनुप्रयोग का आकलन करते समय विचार करने योग्य है, उदाहरण के लिए, गैर-बाइनरी लोग।

गलत लिंग बताना और deadnaming (नाम खराब करना)

किसी प्रसारण में लैंगिक पहचान के मुद्दों का जिक्र करते समय, उस व्यक्ति को याद रखना महत्वपूर्ण है जो उस विशेष प्रसारण से प्रभावित हो रहा है: चाहे वक्ता का उद्देश्य हो या नहीं हानि हो सकती है।[10]

बीएसए ने स्वीकार किया है कि ट्रांस समुदाय विशेष रूप से असुरक्षित है। इसमें कहा गया है कि ट्रांसजेंडर और गैर-बाइनरी लोगों को कभी-कभी जानबूझकर गलत लिंग दे दिया जाता है (जहां उन्हें ऐसे नाम या सर्वनाम का उपयोग करने के लिए संदर्भित किया जाता है जो उनके लिंग को सटीक रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है), जो कि असंगत है: [11]

a. मानवाधिकार आयोग | Te Kāhui Tika Tangata मान्यता प्राप्त अधिकार के महत्व की स्वीकृति, विशेष रूप से किसी व्यक्ति के पुष्टि किए गए लिंग के संदर्भ में

b. संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि व्यक्तिगत अधिकारों का आधार व्यक्तियों का अधिकार है कि उन्हें अद्वितीय और दूसरों से अलग माना जाए।

प्रसारण का व्यापक संदर्भ (उपरोक्त सहित) तब प्रासंगिक होने की संभावना है जब यह आकलन किया जाए कि क्या प्रसारण ने मानकों का उल्लंघन किया है: प्रसारण शून्य में नहीं होते हैं।

इसके अलावा, भाषा समय के साथ विकसित होती रहती है और बीएसए द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा के प्रति दर्शकों की बदलती अपेक्षाओं के साथ तालमेल बनाए रखने के महत्व को स्वीकार किया गया है।[12] इसने प्रसारकों को इस तरह के घटनाक्रमों के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रोत्साहित किया है, जैसे कि यूके नियामक ऑफकॉम द्वारा इस मुद्दे पर शोध का उपयोग करके, जहां प्रतिभागियों द्वारा माना गया कि यह प्रस्तुतकर्ताओं और संवाददाताओं की जिम्मेदारी थी कि वे जानें कि वे किससे बात कर रहे हैं और सही नाम / सर्वनाम का उपयोग करें।[13]

---

6 . जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण अधिनियम 1955, धारा 28

7 जन्म, मृत्यु और विवाह तथा संबंध पंजीकरण अधिनियम 2010, धारा 24

8 *एडम एंड क्रॉफर्ड और रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड,* निर्णय संख्या 2022-067 पर [35]

9 Cheryl Gwyn (चेरिल ग्विन) "मानवाधिकार (लैंगिक पहचान) विधेयक पर सॉलिसिटर-जनरल की राय" (2 अगस्त 2006) क्राउन लॉ ऑफिस | Te Tari Ture o te Karauna [25] पर और [30]

10 *Bell and RNZ* (बेल और आरएनजेड) 19 पर

11 *एडम एंड क्रॉफर्ड और रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड,* निर्णय संख्या 2022-067 पर [26]

12 *बैल एंड रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड,* निर्णय संख्या 2023-016 पर [19]

13 Ipsos MORI (इप्सोस मोरी) "टीवी और रेडियो पर आपत्तिजनक भाषा के प्रति जनता का रवैया: सारांश रिपोर्ट" (सितंबर 2021) ऑफकॉम < Ofcom.org.uk> 49-59

हालाँकि, बीएसए ने इस संदर्भ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व की भी पहचान की है। प्रसारण का मूल्यांकन हमेशा मामले-दर-मामले के आधार पर किया जाएगा ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर प्रतिबंध लगाने के स्तर को हानि पहुंचाई है।

एक प्रसारण में, जहां एक गैर-बाइनरी साक्षात्कार देने वाला, उदाहरण के लिए, एक साक्षात्कारकर्ता को जिसने जानबूझकर अपमानजनक व्यवहार नहीं किया था, डेडनेमिंग के प्रभाव को समझाने में सक्षम हुआ था, प्राधिकरण ने उस शिकायत को बरकरार नहीं रखा। इस संदर्भ में, इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए आवश्यक सीमा की हानि नहीं पाई गई, हालांकि यह स्वीकार किया गया कि साक्षात्कारकर्ता का प्रश्न साक्षात्कार देने वाले के लिए "संभावित रूप से असंवेदनशील और हानिकारक" था।

समावेशी भाषा

बीएसए ने पाया है कि समावेशी भाषा प्रसारण मानकों का उल्लंघन करने की संभावना नहीं है, विशेष रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों या किसी विशेष अभ्यास से प्रतिकूल रूप से प्रभावित विशेष समूहों को होने वाले नुकसान पर रिपोर्ट करने के संदर्भ में। उदाहरण के लिए, सरवाइकल स्क्रीनिंग (गर्भाशय ग्रीवा की जाँच) से चूकने वाले ट्रांस पुरुषों और गैर-बाइनरी लोगों पर एक आइटम रिपोर्टिंग में, प्राधिकरण ने नोट किया कि "गर्भाशय ग्रीवा वाले लोगों" का संदर्भ सटीक था और महिलाओं की निंदा नहीं करता था।[14]

ट्रांसफ़ोबिक ट्रॉप्स (अलंकारों) पर निर्भर शिकायतों के सफल होने की संभावना नहीं है

बीएसए द्वारा निर्धारित कई शिकायतों में ट्रांसफ़ोबिक रूढ़िवादिता का उल्लेख किया गया है, या उस पर भरोसा किया गया है। आमतौर पर, इस अलंकार का एक रूपांतर है कि लैंगिक पहचान महिलाओं का शोषण करने का एक तंत्र है। प्राधिकरण ने स्वीकार किया है कि इस तरह के विचारों का साक्ष्य आधार "दृढ़ता से विवादित" है और इस तरह की बातों पर निर्भरता "लंबे समय से चले आ रहे पूर्वाग्रह पैदा करने में सक्षम" है। इस प्रकार की शिकायतों को बीएसए का समर्थन मिलने की संभावना नहीं है और इसके परिणामस्वरूप प्राधिकरण शिकायत का निर्धारण करने से इनकार कर सकता है।[15]

प्रासंगिक निर्णय

यह गाइडेंस (मार्गदर्शन) निम्नलिखित निर्णयों से ली गई है, जिनमें से सभी उन शिकायतों से संबंधित हैं जिन्हें बीएसए द्वारा सही नहीं ठहराया गया था:

एडम एंड क्रॉफर्ड और रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड, निर्णय संख्या 2022-067 (लैंगिक पहचान पर उनके दृष्टिकोण लिंग आलोचनात्मक दार्शनिक के साथ साक्षात्कार)

बेल एंड रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड, निर्णय संख्या 2023-016 (साक्षात्कारकर्ता ने गलत लिंग बताया और गैर-बाइनरी साक्षात्कारकर्ता का नाम बदल दिया)

ऑक्सले और रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड, निर्णय संख्या 2022-105 (सर्वाइकल स्क्रीनिंग नोटिफिकेशन से वंचित ट्रांस पुरुषों और गैर-बाइनरी लोगों पर रिपोर्ट, जिसे "गर्भाशय ग्रीवा वाले लोगों" के रूप में संदर्भित किया गया है)

ड्रिनन और रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड, निर्णय संख्या 2021-083 (ओलम्पिक में प्रतिस्पर्धा करने वाले पहले ट्रांसजेंडर एथलीटों में से एक के रूप में लॉरेल हबर्ड के चयन के बाद ट्रांसजेंडर मुद्दों पर केंद्रित व्याख्याता के साथ साक्षात्कार)

14 *ऑक्सली एंड रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड,* निर्णय संख्या 2022-105 पर [13]

15 *क्रॉस और टेलीविजन न्यूज़ीलैंड लिमिटेड,* निर्णय संख्या 2023-035

जॉनसन एंड मैकिनॉन और रेडियो न्यूज़ीलैंड लिमिटेड, निर्णय संख्या 2020-176 (विशेष विचार रखने वाले लोगों के विवरणकर्ता के रूप में टीईआरएफ शब्द का उपयोग भेदभाव और अपमान मानक द्वारा संरक्षित समुदाय के अनुभाग को संदर्भित नहीं करता है)

क्रॉस एंड टेलीविज़न न्यूज़ीलैंड लिमिटेड, निर्णय संख्या 2023-035 (न्यूज़ीलैंड में सार्वजनिक हस्तियों के प्रवेश पर रिपोर्ट में उन्हें 'ट्रांसजेंडर विरोधी कार्यकर्ता' के रूप में संदर्भित किया गया है)